

अर्थशास्त्र विभाग, शिबली नेशनल कॉलेज, आजमगढ़ के स्नातकोत्तर छात्रों द्वारा सेमिनार प्रस्तुति

नई शिक्षा नीति (NEP) 2020 के अनुशंसित पाठ्यक्रम दिशानिर्देशों के अंतर्गत रचनात्मकता (Creativity) को प्रोत्साहित करना और आलोचनात्मक चिंतन (Critical Thinking) की क्षमता का विकास करना शैक्षणिक उपलब्धि का प्रमुख उद्देश्य माना गया है। समग्र शिक्षा (Holistic Learning) और अंतःविषय दृष्टिकोण (Interdisciplinary Approach) के इस व्यापक ढाँचे में ऐसे कार्यक्रमों पर विशेष बल दिया गया है जो विद्यार्थियों की सृजनात्मक क्षमताओं का विकास करें तथा उन्हें नवाचार और विश्लेषणात्मक सोच की दिशा में अग्रसर करें।

इन्हीं उद्देश्यों की पूर्ति के लिए अर्थशास्त्र विभाग के स्नातकोत्तर छात्रों को सेमिनार, शोधपत्र प्रस्तुतिकरण (Paper Presentation) तथा लेखन सत्रों के माध्यम से अपनी बौद्धिक, भाषाई और अभिव्यक्तिगत क्षमताओं को सशक्त बनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। ऐसे आयोजन विद्यार्थियों के प्रस्तुतीकरण कौशल, भाषा दक्षता और अकादमिक प्रदर्शन को और अधिक परिष्कृत करने में सहायक सिद्ध होते हैं।

इसी क्रम में अर्थशास्त्र विभाग के एम.ए. तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने 18 अक्टूबर 2025 को कॉलेज के सेमिनार हाल में एक सेमिनार एवं शोधपत्र प्रस्तुति कार्यक्रम का आयोजन किया। यह कार्यक्रम दो समसामयिक और वैश्विक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण आर्थिक विषयों पर केंद्रित था:

1. "अमेरिकी टैरिफ नीति और भारत के विदेशी व्यापार पर उसका प्रभाव"
2. "जीएसटी नीति में हाल के बदलाव और उपभोक्ता बाजार पर उनका प्रभाव"

दोनों विषय वर्तमान भारतीय आर्थिक नीतियों की दृष्टि से अत्यंत प्रासंगिक हैं और यह दर्शाते हैं कि आज के शिक्षित युवा समाज और अर्थव्यवस्था के परिप्रेक्ष्य में इन नीतियों को किस प्रकार देखते और समझते हैं।

इस अवसर पर डॉ. रविन्द्रनाथ राय, संपादक समयिक कारवां, ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और मुख्य वक्ता के रूप में अपने विशेषज्ञ विचार प्रस्तुत किए। डॉ. सबा नवाज़ खान तथा डॉ. अंजेश कुमार मौर्य की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा को और बढ़ाया तथा उन्होंने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया।

सेमिनार का संचालन एम.ए. अंतिम वर्ष के छात्र प्रिंस ने अत्यंत कुशलता से किया और अपना शोधपत्र भी प्रस्तुत किया। अन्य छात्र-छात्राएँ जिन्होंने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए, वे थे — रेनू पाल, शैलेश चौहान, गुलाम रसूल, खुशी तिवारी, अंजलि यादव, पूनम यादव, शिखा कुमारी, अंशिका यादव, श्रेया श्रीवास्तव और अदिति गोंड। सभी प्रतिभागियों ने अत्यंत रोचक और ज्ञानवर्धक प्रस्तुति दी।

अपने अध्यक्षीय संबोधन में डॉ. रवीन्द्र नाथ राय जी ने वैश्विक आर्थिक संकट की वर्तमान स्थिति पर प्रकाश डाला और बताया कि विकासशील अर्थव्यवस्थाएँ इस समय व्यापार और निवेश के क्षेत्र में गंभीर चुनौतियों का सामना कर रही हैं। प्रोफेसर मोहम्मद खालिद, विभागाध्यक्ष, अर्थशास्त्र विभाग, ने समापन भाषण में टैरिफ युद्ध और जीएसटी नीति में सरकार द्वारा किए गए हालिया परिवर्तनों के प्रभावों पर अपने विचार रखे। उन्होंने मुख्य अतिथि का आभार व्यक्त किया तथा विद्यार्थियों की उत्कृष्ट अकादमिक अभिव्यक्ति, विचार-विनिमय और शोधाभिमुखता की सराहना की।

यह सेमिनार नई शिक्षा नीति 2020 की भावना के अनुरूप रचनात्मकता, आलोचनात्मक चिंतन और जागरूक अकादमिक संवाद को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सफल प्रयास सिद्ध हुआ।